Roll No. .....

DD–2234

B. A. (Part III) EXAMINATION, 2020

SANSKRIT LITERATURE

Paper Second

(काव्य अलंकार और निबन्ध)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 75

सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

इकाई—I

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 20

(i) श्रियः कुरुणामधिपस्य पालनीं
प्रजासु वृत्तिं यमयुङ्क्त वेदितुम्।
स वर्णिलि ी विदितः समाययौ
युधिष्ठिरं द्वैतवने वनेचरः

(ii) वसूनि वा छन्न वशी न मन्युना
स्वधर्म इत्येव निवृत्तकारणः।
गुरूपदिष्टेन रिपौ सुतेऽपि वा
निहन्ति दण्डेन स धर्मविप्लवम्

(iii) कथाप्रसंगेन जनैरुदाहृता-
दनुस्मृताखण्डलसूनुविक्रमः।
तवाभिधानाद् व्यथते नताननः
स दुः सहान्मन्त्रपदादिवोरगः

(iv) वनान्तशय्याकठिनीकृताकृती
कचाचितौ विष्वगिवागजौ गजौ।
कथं त्वमेतौ धृतिसंयमौ यमौ
विलोकयन्नुत्सहसे न बाधितुम्

इकाई—II

2. 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य के प्रथम सर्ग के आधार पर युधिष्ठिर तथा द्रौपदी का संवाद चित्रण कीजिए। 10

अथवा

'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

इकाई—III

3. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 10

(i) समः समविभक्ता स्निग्धवर्णः प्रतापवान्।
पीनवक्षा विशालाक्षो लक्ष्मीवाञ्छुभलक्षणः

(ii) निवेदयित्वाभिज्ञानं प्रवृत्तिं विनिवेद्य च।
समाश्वास्य च वैदेहीं मर्दयामास तोरणम्

(iii) नन्दिग्रामे जटां हित्वा भ्रातृभिः सहितोऽनघः।
रामः सीतामनुप्राप्य राज्यं पुनरवाप्तवान्

(iv) एतदाख्यानमायुष्यं पठन् रामायणं नरः।
सपुत्रपौत्रः सगणः प्रेत्य स्वर्गे महीयते

(ख) मूलरामायण का सारांश लिखिए। 5

अथवा

मूलरामायण के आधार पर वाल्मीकि की काव्यकला का वर्णन कीजिए।

इकाई—IV

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अलंकारों का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए— 15

(i) अर्थान्तरन्यास

(ii) अपह्नुति

(iii) दृष्टांत

(iv) दीपक

(v) ससन्देह

(vi) शब्दश्लेष

इकाई—V

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए— 15

(i) कविकुलगुरुः कालिदासः

(ii) परोपकारः

(iii) संस्कृतभाषाया महत्त्वम्

(iv) विद्याविहीनः पशुः।